# मई के दूसरे पखवाड़े में आयोजित होगा ''ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026''

## 'नई तकनीक और परंपरागत तरीकों से फसल उत्पादन और किसानों की आय में होगी वृद्धि'

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की खुशहाली प्रदेश की समृद्धि का मूल आधार है। नई तकनीक और परंपरागत तरीकों की पूरी जानकारी देकर ना केवल फसल उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश को कृषि निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में आगामी ''ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026'' (ग्राम) का आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ''ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026'' को लेकर बैठक ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मई के द्वितीय पखवाड़े में आयोजित होने वाली ''ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026'' के लिए आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के अधिकाधिक कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और तकनीकी जानकारों को इस आयोजन से जोड़ा जाए, ताकि किसान इसका अधिक से अधिक लाभ ले सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ''ग्राम-2026'' के सफल क्रियान्वयन से कृषि क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीक और निवेश को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही किसानों को देश-विदेश के विशेषज्ञों के अनुभव और तकनीकी जानकारी का लाभ भी मिलेगा। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि गांव-गांव जन जागरण अभियान चलाकर किसानों को जागरुक किया जाए। साथ ही, प्रगतिशील किसानों, पशुपालकों, डेयरी एवं मत्स्य पालकों को प्रोत्साहित करने के लिए जिला एवं राज्य स्तर पर पुरस्कृत भी किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि पर्यवेक्षक, कृषि मित्र, ग्राम सेवा सहकारी समितियों और डेयरी समितियों सहित आयोजन से जुड़े कार्मिकों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाए। साथ ही, ''ग्राम-2026'' से संबंधित सभी विभागों की विशेष जानकारियों का संकलन करते हुए एक मार्गदर्शिका भी तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 को लेकर अधिकारियों की बैठक ली।

- गांव-गांव जाकर जनजागरुकता अभियान से अधिकाधिक किसानों को करें प्रोत्साहित : भजनलाल शर्मा

बैठक में अधिकारियों ने ''ग्राम-2026'' को लेकर अब तक की तैयारियों का प्रस्तुतिकरण दिया। साथ ही, आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने संबंधी कार्ययोजना के बारे में संबंधित विभागों के साथ विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री द्वारा विभागीय अधिकारियों को सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं फिक्की के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

# लोकतंत्र की मजबूती और विकसित भारत के निर्माण में युवा विधायक आगे आए : देवनानी

## भोपाल में आयोजित युवा विधायकों के दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित किया

**जयपुर।** राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि युवा विधायक लोकतंत्र की मजबूती और विकसित भारत के निर्माण के लिए आगे आए। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सोमवार को भोपाल में मध्य प्रदेश विधानसभा में आयोजित दो दिवसीय युवा विधायकों के सम्मेलन के प्रारंभिक सत्र को संबोधित कर रहें थे।

सम्मेलन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, विधानसभाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और प्रतिपक्ष के नेता भी मौजूद थे। देवनानी ने कहा कि यह मंच केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण संवाद है। युवा विधायकों को विधायिका का प्रमुख आधार बन कर और पूरी प्रतिबद्धता और सक्रियता के साथ अपने निर्वाचन क्षेत्रों की तरह ही विधायिका के काम को भी पूरा महत्व देना चाहिए तभी वे जनता के बीच अपनी प्रतिभा की बेजोड़ छाप छोड़ सकेंगे।

देवनानी ने सम्मेलन में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के 45 वर्ष से कम आयु के विधायकों की भागीदारी को विधायी ऊर्जा का त्रिवेणी संगम बताया।

देवनानी ने बताया कि 16वीं राजस्थान विधानसभा में 45 वर्ष या उससे कम आयु के 30 से अधिक विधायक हैं, जो राज्य में युवा नेतृत्व के बढ़ते प्रभाव का संकेत है।

उन्होंने सुझाव दिया कि युवा विधायकों को सदन में पूरी तैयारी के साथ बोलना चाहिए तथा जनहित से जुड़े मुद्दों के साथ हो अधिक से अधिक प्रश्न पूछने चाहिए , ताकि शासन के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो सके। इसके अलावा सीनियर लीडर्स के भाषणों को भी सुनना चाहिए तथा उनके अनुभवों से सीखना चाहिए । साथ ही पुस्तकालयों में जाकर सन्दर्भ सामग्री का अध्ययन करना चाहिए।

देवनानी ने बताया कि 'वन नेशन-वन एप्लिकेशन' के तहत नेवा प्लेटफॉर्म जैसे डिजिटल नवाचार लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी और सुलभ बना रहे हैं। युवा विधायकों की भूमिका डिजिटल डिवाइड को समाप्त कर लोकतंत्र को तकनीक आधारित बनाने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विकास का मॉडल तभी टिकाऊ होगा जब वह स्थानीय संस्कृति और मूल्यों से जुड़ा हो। देवनानी ने बताया कि राज्य विधानसभा में विधायकों द्वारा पूछे गए के 97 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब राज्य सरकार से प्राप्त हो गए है और हमारा लक्ष्य इसे शत प्रतिशत तक पहुंचाना है। राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की चर्चा करते हुए देवनानी ने बताया कि विधानसभा में बनाए गए डिजिटल म्यूज़ियम और राजनीतिक आख्यान संग्रहालय को जन दर्शन के लिए खोल दिया गया है और अब तक पचास हजार से अधिक लोग इसे देख चुके है।

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात कर नवाचारों के 2 वर्ष, विधान सभा की दैनंदिनी, सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि पुस्तक भेंट की।

# कांग्रेस का राजस्थान की मिट्टी और सांस्कृतिक गौरव से कोई सरोकार नहीं : जवाहर सिंह बेढ़म

## ''जब प्रदेश 19 मार्च को नव संवत्सर के साथ राजस्थान दिवस मना लिया, तो 30 मार्च को राजस्थान दिवस की शुभकामनाएं देना कांग्रेस की हिन्दू रीति-रिवाज और सनातन संस्कृति के प्रति नफरत की परिचायक है''

**जयपुर।** संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस के नेताओं द्वारा राजस्थान दिवस की शुभकामनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि उन्हें राजस्थान की मिट्टी और सांस्कृतिक गौरव से कोई सरोकार नहीं है। जब संपूर्ण प्रदेश 19 मार्च को नव संवत्सर के साथ राजस्थान दिवस मना रहा था, तब कांग्रेस नेता केवल कैलेंडर की तारीखों में उलझे रहे।

पटेल ने कहा कि 1949 में भारतीय काल गणना के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को वृहद् राजस्थान का निर्माण हुआ। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार ने जड़ों की ओर लौटने का निर्णय लिया ताकि हमारी भावी पीढ़ी केवल अंग्रेजी तारीख नहीं, बल्कि अपने सांस्कृतिक पंचांग को समझे।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के राहुल गांधी, खडगे और अशोक गहलोत को पंचांग से चिढ़ है। जब पूरा राजस्थान 19 मार्च को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर यह उत्सव मना चुका है, तब देरी से शुभकामना देना जनता का उपहास है। हिंदू पंचांग के अनुसार उत्सव मनाने में कांग्रेस को अपना वोट बैंक खिसकने का डर सता रहा है।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि कांग्रेस के लोगों को राजस्थान की संस्कृति, भारतीय परम्पराओं और हिन्दू शब्दावली से नफरत है। आज 30 मार्च को बधाई देना कांग्रेस की हिन्दू रीति-रिवाज, भारतीय संस्कृति एवं सनातन संस्कृति की विरोधी सोच का परिचायक है और यह स्पष्ट रूप से जनता को भ्रमित करने का प्रयास प्रतीत होता है।

बेढ़म ने कहा कि जब 1949 में वृहद् राजस्थान का गठन हुआ और उस समय लौह पुरुष सरदार पटेल ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर रेवती नक्षत्र में इंद्रयोग के शुभ संयोग के साथ इस ऐतिहासिक क्षण को जोड़ा था। उन्होंने अशोक गहलोत, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से प्रश्न पूछते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग सरदार पटेल की बात को दरकिनार क्यों कर रहे हैं।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय परंपरा का सम्मान करते हुए नवसंवत्सर को राजस्थान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया, जिसे चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर 19 मार्च को प्रदेश की जनता ने उत्साहपूर्वक मनाया। लेकिन उस दिन कांग्रेस नेताओं ने कोई बधाई नहीं दी।

- हिंदू रीति से उत्सव मनाने में कांग्रेस को वोट बैंक खिसकने का डर, राजस्थान की संस्कृति और भारतीय परम्पराओं की विरोधी है कांग्रेस : जोगाराम पटेल

## छोटीकाशी में धूमधाम से मनाया जाएगा हनुमान जन्मोत्सव

**जयपुर।** केसरी नंदन हनुमानजी महाराज का जन्मोत्सव चैत्र पूर्णिमा दो अप्रेल को छोटी काशी में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। सुबह जयकारों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हनुमानजी का जन्माभिषेक होगा। सिंदूरी चोला चढ़ाकर नवीन पोशाक धारण कराई जाएगी। ऋतु पुष्पों से श्रृंगार कर महाआरती की जाएगी। हनुमान जी महाराज के दर्शनों के लिए मंदिरों सुबह से ही तांता लग जाएगा।

चांदी की टकसाल स्थित ठिकाना मंदिर श्री काले हनुमानजी में केसरी के नंदन का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सोमवार को यहां तैयारियां जोर शोर से जारी रही। कल मंदिर महंत गोपालदास महाराज के सान्निध्य में हनुमानजी का सहस्त्रधाराभिषेक के साथ जन्माभिषेक किया जाएगा। मंदिर के युवाचार्य पं. योगेश शर्मा ने बताया कि सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड के पाठ होंगे। पूरे मंदिर परिसर को फूलों से सजाया जाएगा।खोले के हनुमानजी मंदिर में सुबह हनुमानजी महाराज का 108 औषधि द्रव्यों और विभिन्न तीर्थों के जल से मंत्रोच्चारण के साथ महाअभिषेक होगा।

# भरतपुर में गत वर्ष हुए ''गौ पूजन'' कार्यक्रम ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

## लंदन के मल्टीनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने प्रमाण पत्र जारी किया

**जयपुर।** गौपालन निदेशालय द्वारा भरतपुर के जडखोर में पिछले वर्ष अक्टूबर में आयोजित विशाल ''गौ माता पूजन'' कार्यक्रम को लंदन के मल्टीनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड्स द्वारा विश्व रिकार्ड का प्रमाण पत्र जारी कर आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई है। प्रमाण पत्र में विशेष रूप से भारत की गहरी जड़ों से जुड़ी मान्यताओं और परंपराओं के प्रति निदेशालय के समर्पण की सराहना की गई है। आज प्रमुख शासन सचिव विकास सीताराम भाले को यह वर्ल्ड रिकार्ड गोपालन निदेशक पंकज ओझा द्वारा सौंपा गया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ लेखाधिकारी डॉ शालिनी शर्मा, संयुक्त निदेशक देवेंद्र जुनेजा, अशोक सुवालका, डॉ सुरेश गर्ग, डॉ प्रवीण कौशिक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख शासन सचिव विकास सीताराम भाले ने निदेशालय को बधाई देते हुए कहा कि यह कीर्तिमान राजस्थान की गौ सेवा की समृद्ध परंपरा और हमारी आध्यात्मिक निष्ठा का वैश्विक प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि यह रिकार्ड गौ संरक्षण, हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामुहिक भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व और विभाग के मंत्रियों के मार्गदर्शन में गायों के कल्याण के प्रति पूर्ण समर्पित होकर काम कर रही है। यह सम्मान सरकार द्वारा गौशालाओं के सुदृढीकरण और गौवंश के कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों को नई उर्जा और गति प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि 29 अक्टूबर 2025 को भरतपुर के जडखोर में एक साथ दस हजार से अधिक गायों का पूजन किया गया था जिसे मल्टीनेशनल बुक ऑफ रिकार्ड्स द्वारा गहन समीक्षा और सत्यापन के बाद न्यू वर्ल्ड रिकार्ड के रूप में स्वीकार किया गया है।

# राजकीय विद्यालयों में नए सत्र की शुरुआत 1 अप्रैल से होगी

## विद्यालयों में प्रवेशोत्सव जारी, घर-घर संपर्क अभियान के जरिए शिक्षा से जोड़ने का संकल्प

**जयपुर।** राजस्थान में शैक्षिणक सत्र 2026-27 की शुरुआत इस बार एक नई ऊर्जा और व्यापक जनभागीदारी के साथ होने जा रही है। नवीन सत्र इस वर्ष 1 अप्रैल से प्रारंभ होगा जिसके लिए राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों में प्रवेशोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सत्रारंभ के साथ शिक्षारंभ के संदेश को मूर्त रूप देने के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा राज्य स्तर से लेकर विद्यालय स्तर तक व्यवस्थाओं के सुचारु संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इस वर्ष प्रवेशोत्सव को केवल एक औपचारिक आयोजन न मानते हुए इसे नामांकन बढ़ाने, ड्रॉपआउट दर कम करने और प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के सशक्त अभियान के रूप में संचालित किया जा रहा है।

प्रवेशोत्सव को सफल बनाने के लिए इस बार घर-घर जाकर अभियान चलाया जा रहा है। शिक्षा विभाग के सघन अभियान को विशेष रूप से केंद्र में रखा गया है, जो इस पूरे अभियान की सबसे अहम कड़ी बनकर उभरा है। राज्यभर में चरणबद्ध रूप से 27 मार्च, 6 अप्रैल, 10 अप्रैल और 15 अप्रैल को विशेष अभियान चलाकर प्रत्येक घर तक पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यालय स्टाफ एवं स्थानीय कार्मिकों की टीमों द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है, जिसमें 3 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का चिन्हीकरण कर उनके नामांकन को सुनिश्चित किया जा रहा है। यह व्यापक जनसंपर्क प्रयास यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और प्रत्येक परिवार तक शिक्षा का संदेश पहुंचे।

इस वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि 1 अप्रैल से ही विद्यालयों में शिक्षण कार्य पूर्ण रूप से प्रारंभ कर दिया जाएगा। विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि अधिकांश पाठ्यपुस्तकें 25 मार्च तक जिलों में पहुंच चुकी हैं, जबकि शेष पुस्तकों की आपूर्ति 1 अप्रैल तक पूर्ण कर दी जाएगी। राजकीय विद्यालयों में पिछले वर्षों में हुए सुधारों ने शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा दी है। प्रशिक्षित शिक्षक, सुव्यवस्थित भवन, स्मार्ट कक्षाएं, आईसीटी लैब, गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धित, खेल सुविधाएं, व्यावसायिक शिक्षा, डिजिटल लाइब्रेरी और रीडिंग कॉर्नर जैसी व्यवस्थाएं अब इन विद्यालयों की पहचान बन चुकी हैं। इसके साथ ही छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन योजनाएं विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं, जिससे राजकीय विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मजबूत और विश्वसनीय केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।

- नामांकन बढ़ाने और ड्रॉपआउट घटाने पर है शिक्षा विभाग का विशेष फोकस

## 108 से अधिक स्थानों पर होगा गायत्री यज्ञ

**जयपुर।** भारतीय धर्म-संस्कृति में पूर्णिमा का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। गायत्री परिवार की ओर से 2 अप्रैल, गुरुवार को प्रात: 7:30 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ एक ही समय पूर्णिमा गायत्री यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश की सभी शक्तिपीठों, प्रज्ञा केन्द्रों पर बड़े स्तर पर यज्ञ होगा। एक अनुमान के मुताबिक 108 से अधिक स्थानों पर यज्ञ होगा।

# कालिका यूनिट ने 10 मनचलों को दबोचा

**जयपुर।** राजधानी में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट ने विशेष अभियान छेड़ रखा है। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल के निर्देशन में यूनिट ने शहर के विभिन्न इलाकों में कार्रवाई करते हुए छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें करने वाले 10 मनचलों को गिरफ्तार किया है।अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और यूनिट की सुपरविजन अधिकारी रानू शर्मा के नेतृत्व में कालिका यूनिट ने न केवल अपराधियों पर शिकंजा कसा, बल्कि जागरूकता अभियान भी चलाया। यूनिट की मास्टर ट्रेनर्स ने विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, गर्ल्स हॉस्टलों और मॉल्स में जाकर 2,025 छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस) का प्रशिक्षण दिया। साथ ही, 2,792 महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया।पुलिस ने सार्वजनिक परिवहन के संसाधनों जैसे लो-फ्लोर बसों, सिटी बसों और मिनी बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं की सुरक्षा के लिए राजकॉप सिटीजन एप के क्यूआर कोड स्टीकर चस्पा किए हैं।

# 'आगामी 3 माह में 5 लाख घरों तक डीपीएनजी सुविधा उपलब्ध होगी'

## सीजीडी संस्थाओं को टाइमलाइन व रोडमैप बनाकर करना होगा कार्य : एसीएस अरोरा

**-कार्यालय संवाददाता-**

**जयपुर।** अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने राज्य की सभी 13 सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन संस्थाओं को वर्तमान एक लाख 25 हजार घरेलू पाइपलाइन गैस कनेक्शनों को आगामी तीन माहों में 5 लाख घरों तक पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने रोडमैप बनाकर औद्योगिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ने को कहा हैं। सीजीडी संस्थाओं को डीपीएनजी कनेक्शन जारी करने के काम में तेजी लाने के निर्देश देते हुए प्रतिदिन कनेक्शन जारी करने की वर्तमान कार्यक्षमता में तीन से चार गुणा बढ़ोतरी पर जोर दिया है। गौरतलब है कि इस समय सीजीडी संस्थाओं द्वारा प्रतिदिन औसतन 50 कनेक्शन जारी किए जा रहे हैं जिसे बढ़ाकर 200 कनेक्शन करने के निर्देश दिए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा सोमवार को सचिवालय के मंथन कक्ष से हाईब्रिड मोड पर राज्य की सीजीडी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और अधिकारियों से संवाद कायम कर रही थी। उन्होंने बताया कि राज्य में 13 सीजीडी संस्थाओं द्वारा 17 जियोग्राफिकल क्षेत्रों पर सीजीडी आधारभूत संरचना विकसित कर सीएनजी-पीएनजी सेवाएं उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी और औद्योगिक व व्यावसायिक प्राकृतिक गैस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आधारभूत संरचना विकसित हो गई है वहां पर सीजीडी संस्थाएं, जिला प्रशासन और स्थानीय नागरिक समन्वित प्रयास कर सीएनजी कनेक्शन जारी कराएं ताकि हरित उर्जा को बढावा दिया जा सके। उन्होंने सीजीडी संस्थाओं का आधारभूत संरचना विस्तार और नए कनेक्शन जारी करने के कार्य को साथ साथ आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

अरोरा ने संबंधित जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि वे सीजीडी संस्थाओं और अधिकारियों के साथ समन्वय बनाते हुए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा कराने, नागरिकों में अवेयरनेस प्रोग्राम चलाकर प्रेरित करने और औद्योगिक व व्यावसायिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों से बैठक कर उन्हें पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि यह सीजीडी संस्थाओं और आमनागरिकों सभी के लिए बेहतर अवसर है और इस अवसर का लाभ उठाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केन्द्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता भी है।

एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने जयपुर में विश्वकर्मा, झोटवाड़ा, महेन्द्रा सेज सहित औद्योगिक क्षेत्रों, भीलवाड़ा में टैक्सटाइल कलस्टर, बालोतरा में औद्योगिक क्षेत्रों सहित प्रदेश के रीको आदि के औद्योगिक क्षेत्रों में भी औद्योगिक प्रतिष्ठानों को प्राकृतिक गैस सुविधा से जोड़ने पर जोर दिया। इसके साथ ही होटल्स व ढाबा संचालकों से संपर्क कर उन्हें प्राकृतिक गैस सुविधा से प्राथमिकता से जोड़ने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया।अरोरा ने कहा कि सीजीडी संस्थाओं को टाइमलाइन व रोडमैप बनाकर आगे आना होगा ताकि निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने सीजीडी संस्थाओं की प्रगति व भावी लक्ष्यों की जानकारी दी। बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, निदेशक पेट्रोलियम अवधेश सिंह, सीजीडी संस्थाओं के प्रतिनिधि, ओएसडी एसीएस श्रीकृष्ण शर्मा अधीक्षण भूवैज्ञानिक सुनील वर्मा व पेट्रोलियम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने सोमवार को सचिवालय में राज्य की सीजीडी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और अधिकारियों से संवाद किया।

- जिला कलक्टर व सीजीडी संस्थाएं परस्पर समन्वय से चलाएं अभियान
- डीपीएनजी कनेक्शन देने में चार गुणा तक तेजी लाने के निर्देश

राजधानी जयपुर में सोमवार को मौसम का मिजाज बदला। अलसुबह से लेकर देर रात तक आसमान में घनघोर घटाएं छायी रही, इस बीच कुछ जगहों पर हल्की बारिश भी हुई।